मूल्य – 5 रु.

उठो धरा के अमर सपूतों
पुनः नया निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से
नई स्फूर्ति नव प्राण भरो।

नई प्रातः है, नई बात है,
नई किरण है, ज्योति नई।
नई उमंगे, नई तरंगे,
नई आस है, साँस नई।
युग-युग के मुरझे सुमनों में,
नई-नई मुस्कान भरो।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारांशु
मासिक

मई, 2015

वर्ष 3, अंक 8, पृ.सं. 20

आनन्द वृद्धाश्रम :-

लुत्फ उठाते आनन्द वृद्धाश्रमवासी मस्ती मेला - 2015 में

5 अप्रैल को आयोजित मस्ती मेले में तारा संस्थान के समस्त सदस्यों ने परिवार सहित जमकर आनन्द लिया।

गुप्तदान : जय श्री कृष्ण, दिल्ली

दिल्ली के एक दानदाता 'जय श्री कृष्ण' के नाम से नियमित रूप से गुप्तदान देते रहते है -

आपने अभी गर्मियों में राहत देने के लिए 100 पंखे व 100 ठंडे पानी के लिए केन प्रदान किए हैं। आपका उद्देश्य यह हैं कि इस गर्मी के मौसम में असहायों को जो भी आवश्यकता है उसकी पूर्ति करने का प्रयास किया जाए। साथ ही आपने अभी - सैकड़ों आटे के कट्टे (10 किलो प्रति) वितरण करवाए है।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।
01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क हैं।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तखत सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

संयोजन सहायक
जगदीश मुण्डानिया

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम गतिविधियाँ	-	02
अनुक्रमणिका	-	03
एक रिश्ता दर्द का....	-	04
अनिता के हुआ कांटेक्ट लैंस का इम्पलांट	-	05
नवीन प्रकल्प : साथी हाथ बढ़ाना...	-	06
हमारे सेवा प्रकल्प : गौरी योजना / तृप्ति योजना	-	07
नवीन प्रकल्प : एक शिविर मेरा भी	-	08
प्रेरक प्रसंग : प्रताप जयंति विशेष	-	09
मस्ती	-	10
स्वास्थ्य	-	11
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	-	12-14
तारा समाचार	-	15
स्वागत	-	16
धन्यवाद	-	17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	-	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपनी पूज्य माता एवं पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

एक रिश्ता दर्द का...

अभी कुछ दिनों पहले इंग्लैण्ड के लेस्टर शहर से श्री कांती भाई तारा संस्थान में पधारे उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शोभना बेन और सहयोगी दीप्ती जी भी थे। वे ''भारत वैलफेयर ट्रस्ट'' नाम का एक ट्रस्ट संचालित करते हैं जो कि तारा संस्थान को समय–समय पर अपना सहयोग विभिन्न दानदाताओं के माध्यम से भेजता रहा है।

कांती भाई को तारा संस्थान की गतिविधियाँ दिखाई गई क्योंकि जो हमे सहयोग दे उनका हमें व हमारे कार्य को जानना बेहद जरूरी होता है। तभी एक विश्वास कायम होता है और व दानदाता को अच्छे से बता सकते हैं कि उनके दिए गए दान से वाकई अच्छा काम हो रहा है।

कांतीभाई को तारा नेत्रालय में ओपीडी व वार्ड में भर्ती रोगियों से मिलवाया साथ ही वृद्धाश्रम के आवासियों से भी मिलवाया। तारा संस्थान की गौरी योजना में लाभान्वित कुछ महिलाओं को भी बुलवाया गया था जिससे वे भी कांती भाई को बता सकें कि उन्हे मिलने वाली सहायता से जिनके जीवन में क्या फर्क आ रहा है।

भावनाओं से भरी इस बातचीत ने बैठे हुए सभी लोगों की आंखों को भिगो दिया..... जब भी मैं इन महिलाओं से मिलती हुँ और वे बताती है कि जिंदगी की लडाई बिना किसी खास कमाई के वे कैसे लड़ रही हैं। मेरे आंसू भी नहीं रूकते हैं और वे सब भी जब किसी दानदाता से मिलती है तो उनके आंसू भी अपने आप निकलने लगते हैं।

इसमें उन विधवा महिलाओं की कमजोरी नहीं है ये तो वो दर्द है जो कभी कभी छलक जाता है और खासकर तब जब कोई उन्हें ढ़ाढस बंधाता है कि ''चिंता मत करो हम हैं तुम्हारा खयाल रखने को''।

एक सोच हमेशा परेशान करती है कि मात्र 1000 रू. देने से एक विधवा महिला की क्या सहायता होगी? लेकिन जब उन महिलाओं ने बताया कि उन्होने अपने बच्चों की पढ़ाई के सपने बुन रखे हैं। इस 1000 रूपयों से तो मन में शांती आयी कि चलो उनके कठिन जीवन में कुछ तो राहत पहुँचा ही रहे हैं हम..... और फिर जब गीली–आंखों से कांतीभाई ने बताया कि उनके पिता का देहांत भी जब वे 2–3 वर्ष के थे तभी हो गया था और उनकी माँ ने उन्हे बहुत मुश्किलों से बड़ा किया इसलिए वे हमारी गौरी योजना की लाभार्थियों का दर्द अच्छे से समझते हैं। और उनके लिए हरसंभव सहायता का यत्न करेंगे तो बहुत अच्छा लगा।

कांती भाई जब इन बहनों से मिलकर जा रहे थे तो एक लड़का एक महिला के साथ प्रवेश कर रहा था.... उस लड़के से बात की तो बताया कि साथ आयी महिला मंजू सालवी उसकी बहन है और मार्च 2015 में उनके पति जो कि घरों में पेंट का कार्य करते थे का निधन हो गया था। उनके तीन बेटियाँ है दिव्या–7 वर्ष , तनिषा–4 वर्ष, और यामिनी–2 वर्ष। थोड़ा बहुत घरों में काम करती हैं पर किराये के कमरे में रहकर 3 बच्चियों की परवरिश कैसें हो....बहुत कठिन समय से गुजर रही थी। वर्तमान में तारा संस्थान नयी महिलाओं को गौरी योजना में नही ले रहा था क्योंकि अभी प्राप्त हो रही राशी जो महिलाएँ हैं उनके के लिए भी नाकाफी थी। लेकिन कांतीभाई ने उनकी जिम्मेदारी ली और अब तारा की तरफ से उसे प्रतिमाह 1000 रूपये मिलेगा।

कांतीभाई इंग्लैण्ड से भारत आये और उदयपुर आकर जरूरतमंद लोगो का दर्द बांटा लेकिन सबके लिए यहाँ आना संभव नहीं होता है बस इसलिए यह संवाद आपसे ''तारांशु'' के माध्यम से होता है ताकि आपका हम पर विश्वास बना रहे.....

आदर सहित!

कल्पना गोयल

अनिता के हुआ कांटेक्ट लैंस का इम्पलांट... और मिली रोशनी !

तारा नेत्रालय, दिल्ली के डॉ. जयदीप धामा अनीता जी की जाँच करते हुए

तारा नेत्रालय उदयपुर दिल्ली और मुम्बई में हमारा लक्ष्य है कि उन सभी लोगों को लाभ मिले जो कि धन के अभाव के कारण अपनी आंखों की खो रही रोशनी को वापस नही पा सकते हों, क्योकि सिर्फ पैसे नहीं है इसलिए कोई वृद्ध अपने जीवन के आखिरी 10–15 साल अंधेरे में निकाले, यह किसी भी रूप में उचित नहीं लगता है। तारा नेत्रालय में सारी सुविधाऐ निःशुल्क होने के बाद भी हमारा यही प्रयास है कि रोगी को Quality चिकित्सा मिले और इसीलिए हमने तीनों हॉस्पीटल में बढ़िया से बढ़िया मशीने ली है और डाक्टर्स व दूसरा स्टाफ भी Well Qualified व पूरी तरह प्रशिक्षित नियुक्त किया है। तीनों हास्पीटलों में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि निःशुल्क होने पर भी सभी रोगियों को एक अच्छे प्राइवेट हास्पीटल सी सुविधाऐं महसूस होवें।

तारा संस्थान द्वारा तीनों हास्पीटलों में 17000 से अधिक मोतियाबिन्द के सफल ऑपरेशन तो हुए ही है लेकिन कई प्रकार के Specialized ऑपरेशन जैसे छोटे बच्चों में मोतियाबिन्द ऑपरेशन, दवा से ही सुन्न कर मोतियाबिंद ऑपरेशन आदि भी हुए हैं।

इस प्रकार का एक विशेष ऑपरेशन दिल्ली के तारा नेत्रालय में संपन्न हुआ जिसके बारे में आपको जानकरी दे रहे है..............

दिल्ली के इंद्रपुरी निवासी श्रीमती अनीता पाडिया की दूर की नजर बेहद कमजोर थी उन्हे दोनो आंखों में –15 का नम्बर Cylinder के साथ था या सरल शब्दों में कहें तो उन्हें बिना चश्में नही के बराबर दिखता था । अनीता जी ने बताया था कि उनकी इस कमी के कारण उनके पति ने उन्हें छोड़ दिया था और वो अपने मम्मी पापा के पास रह रही थी।

उन्होने कई हास्पीटलों में दिखाया उनका Lasik Laser (चश्में के नम्बर हटाने वाला आपरेशन) भी संभव नहीं था क्योंकि डाक्टरों के अनुसार उनकी पुतली की मोटाई भी कम थी।

उनकी इस बीमारी का एक ही ईलाज था Implant Able Contact Lense अर्थात आंख के अंदर एक लैंस लगाना जिससे कि साफ दिखाई दे। इस तरह का लैंस अपने आप में बहुत महँगा था और उस से भी महँगी उसका आपरेशन था। अनीता ने दिल्ली के कई प्राइवेट अस्पतालों में दिखाया तो उन्होने खर्च 1.25 लाख से 1.5 लाख रूपये का बताया जो खर्च करना उनके बस में नहीं था।

किसी रिश्तेदार के माध्यम से अनीता को तारा नेत्रालय दिल्ली का पता चला और यहाँ पर जब उन्हें बताया गया कि उनका ऑपरेशन पूर्णतया निःशुल्क हो जाएगा और उन्हें बस लैंस अपने स्तर से लाना होगा तो वे तुरन्त ऑपरेशन कराने को तैयार हो गई। अनीता जी की दोनों आंखों का ऑपरेशन किया गया और अब उन्हें बिना चश्में भी एकदम साफ दिख रहा है।

अनीता जी और उनके परिवार को जो खुशी तारा संस्थान के माध्यम से मिली उसके साझीदार आप और हम सब हैं। इस कालम के माध्यम से आपको यह भी पता चला होगा कि हमारा लक्ष्य केवल ऑपरेशनों की संख्या से नहीं है वरन् प्रयास यह है कि तारा के माध्यम से गुणवता वाली चिकित्सा निःशुल्क मिले।

हमारी समस्त चिकित्सक टीम और उनके सहयोगियों को भी साधुवाद है कि वे हमारे इस प्रयास में अपना योगदान दे रहें हैं।

सादर...

दीपेश मित्तल

नवीन प्रकल्प :-

साथी हाथ बढ़ाना...

तारा संस्थान में जो भी कार्य हो रहे हैं उसके लिए हो रही आय का मुख्य स्रोत दान ही है और जब कार्य निरंतर चल रहे हैं तो उसके लिए दान का निरंतर आना अतिआवश्यक है। और यह तभी संभव है जन नये नये लोग संस्थान से जुड़े वो हमारे सेवा कार्यों को जाने और हमें सहयोग करें। संस्थान द्वारा अपने स्तर पर लोगों को जोड़ने के प्रयत्न निरंतर किए जाते रहे हैं लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि नये दानदाताओं को जोड़ने में वो लोग अधिक सक्षम होंगे जिन्होंने तारा में दान दिया है क्योंकि वे हमसे तभी जुड़े जब उन्होंने हमें जाना और हम पर विश्वास किया और उनमें से कुछ लोगों ने तारा के सेवाकार्यों को अपनी आँखों से देखा।

इसीलिए एक निवेदन हमारे दानदाताओं से करना चाहते हैं कि आप अपने परिजन, दोस्त और जानकारों को तारा संस्थान से जोड़े। उनसे एक छोटा सा आग्रह करें कि वे बहुत छोटी शुरूआत करें 5 रु. प्रतिदिन से यानी साल का 1825 रु. 5 रु. प्रतिदिन बहुत छोटी राशि है लेकिन हमारे कुछ दानदाता भी अपने कुछ मित्रों को इस तरह से जोड़ेंगे तो तारा के सेवाकार्यों को निरंतर चलाने में हमें आसानी होगी। नीचे दिए गए प्रपत्र में 4 खाली स्थान हैं जिनमें आप ऐसे 4 लोगों के नाम – पते व फोन नम्बर हमें दे सकते हैं जो 5 रु. प्रतिदिन सहयोग करना चाहते हैं या आपके विचार से कर सकते हैं। हम भी संस्थान के स्तर पर उनसे बात कर उन्हें इस नेक कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे मुझे पता है खुद देना आसान होता है और दूसरों को इस कार्य से जोड़ना थोड़ा कठिन होता है लेकिन बेबस लाचार बुजुर्गों और विधवा महिलाओं के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने के लिए आप थोड़ी कठिनाई पार करेंगे...

इसी विश्वास के साथ....

कल्पना गोयल

नाम	नाम ....
पता	पता ....
....	....
....	....
मोबाइल नं.	मोबाइल नं. ....
नाम	नाम ....
पता	पता ....
....	....
....	....
मोबाइल नं.	मोबाइल नं. ....

गौरी योजना

अपने पति की मार्च, 2015 में मृत्यु के पश्चात् तीन नाबलिग पुत्रियों की विधवा माँ मंजु सालवी (27 वर्ष) एक घरेलू नौकर को कार्य करके जीवन यापन कर रही है। परन्तु उसके सामने अपनी तीनों पुत्रियों की पढ़ाई का दुश्कर सवाल था। तारा संस्थान ने इनकी बालिकाओं को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में दाखिला देकर मुफ्त शिक्षा का बीड़ा उठाया साथ ही साथ इन्हें गौरी योजना के तहत मासिक पेंशन भी दी जा रही हैं।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति योजना

श्री शंकर लाल पटेल (40 वर्ष) निवास – सुलावास, जिला – उदयपुर :– कोई संतान नहीं होने से, इस विकलांग व्यक्ति की देख–भाल इसकी मां करती है। वृद्धावस्था में होने से इनके माँ–बाप कुछ काम नहीं कर पाते हैं। जरा सी खेती है लेकिन उससे इनका गुजारा नहीं होता। अशिक्षित एवं अनजान होने की वजह से ये लोग किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता से भी वंचित हैं। सो, तारा संस्थान ने शंकर लाल को तृप्ति योजना में शामिल किया है ताकि ये तीन लोग जैसे–तैसे जीवन तो बसर कर सकें।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

**वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।**

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

एक शिविर मेरा भी

मुम्बई वासी श्रीमती कौशल्या राणा एवम् श्री करतार सिंह राणा ने अपनी शादी की सालगिरह अनूठे तरीके से मनाई। तारांशु के पिछले अंकों में प्रकाशित 'एक शिविर मेरा भी' योजना से प्रेरित होकर उन्होंने तारा नेत्रालय, मुम्बई में एक नेत्र शिविर प्रायोजित किया।

डॉ. हितेष नैत्रावली द्वारा राणा दम्पती का अभिनन्दन

तार संस्थान के द्वारा जो भी शिविर दानदाताओं के माध्यम से हो रहे हैं उसे हमने एक सरल सा नाम दिया है ''एक शिविर मेरा भी.....'' इस योजना का महत्व इसलिए है कि इसके माध्यम से आप वर्ष में कोई भी एक दो या अधिक दिनों को शिविर आयोजित करवा कर अविस्मरणीय बना सकते हैं। यह दिन आपका और आपके परिवार में किसी का जन्म दिन हो सकता है, या शादी की सालगिरह या पुण्यस्मृति भी हो सकती है। अब जरा कल्पना करें कि आपके पोते या बच्चे के जन्मदिन का केक कट रहा हो या दादा–दादी की शादी की सालगिरह पर नाच गाना हो रहा हो और उसी दिन एक दूर से आदिवासी गाँव में बहुत से निर्धन वृद्ध अपनी आंखों की जाँच करवा रहे हो और फिर उनके ऑपरेशन होकर 10–12 जनों की आंखों में रोशनी इस शुभ दिन आए तो इससे सफल जन्मदिन या सालगिरह क्या होगा।

सिर्फ 15000/– के सहयोग से आप 5 बुजुर्गों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाएँ! आपको मात्र सहयोग राशि देनी है बाकी सारा कार्य तारा संस्थान करेगी – मरीजों के परिवहन, जाँच, ऑपरेशन, वार्ड केयर, दवाइयाँ एवं भोजन की व्यवस्था हम करेंगे! और दान दाता होने की खातिर इन सब कार्यों का श्रेय आपको दिया जाएगा! तो अपने उत्सव, त्यौहार या शादी–पार्टियों के उन खुशनुमा पलों को थोड़ा और सतरंगी बनाएँ – तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों में सहयोग करके! परोपकार परमानन्द!

प्रताप जयंति विशेष : स्वाधीनता संग्राम के प्रथम महानायक

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई, 1540 को कुम्भलगढ़ में हुआ । विरासत में उन्हें मेवाड की प्रतिष्ठा और स्वाधीनता की रक्षा करने का भार ऐसे समय में मिला जबकि महत्वाकांक्षी सम्राट अकबर से शत्रुता के कारण समूचा मेवाड़ एक विचित्र स्थिति में था।

हल्दी घाटी की लड़ाई में मेवाड़ से 20000 सैनिक थे और अकबर कि और से 85000 सैनिक। फिर भी उस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न राणा हारे – ऐसा माना जाता है। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा के पास जुझारू शक्ति अधिक थी। हल्दी घाटी में इतना खून बहा कि वहाँ के नदी नाले भी लाल हो गए थे।

हल्दी घाटी के महायुद्ध के पश्चात् महाराणा प्रताप नितांत अकेले रह गए। राजस्थान के लगभग सारे राजपूत राजाओं ने अकबर की दासता पहले ही स्वीकार कर ली थी। उन्हें उस दौरान जो दुर्दिन देखने पडे वे किसी भी मानव को हताश कर देने के लिए पर्याप्त थे। सोने, चांदी और महलों को छोड़ वो 20 साल मेवाड़ के जंगलों में घूमे। भयंकर मुसीबतों में दुःख सहते हुए एक ऐसा वक्त भी आया जब भंडार में अन्न का एक दाना भी नहीं था, कहीं से व्यवस्था का आधार भी नहीं था। जैसे–तैसे (माल, धान) घास, बीज एकत्र कर उन्हें कूट–पीस कर एक रोटी बनाई जा सकी। वह रोटी कुँवर हाथ में लेकर खाना ही चाहता था कि उसके हाथ से वह घास बीज की रोटी बन बिलाव झपट कर भाग गया।

घास बीज की उस रूखी रोटी के हाथ से छिन जाने पर कुँवर ज़ोर–ज़ोर से बिलख पड़ा। अपने कुँवर की उस दयनीय दशा को देख कर राणा विचलित हो उठे। उनका मन विषाद से भर उठा। ठीक उसी समय अकबर का दूत संधि का प्रस्ताव लेकर उनके पास आ पहुँचा। महाराणा का अवसाद से भरा मन डाँवा–डोल हुआ, किन्तु तत्काल उनका राजपूती संकल्प उजागर हो उठा। उन्होंने दूत के सामने अकबर को खूब फटकार लगाई और वहाँ से चले जाने को कहा। दूत ने निवेदन किया – ''मेरी हाजिरी प्रमाणित करने के लिए आप इस कागज पर अपनी निशानी लगा दो।'' राणा ने निशानी लगा दी और दूत को रवाना कर दिया। उसी पत्र को अकबर ने महाराणा का सहमति–पत्र मान लिया और उसका चेहरा खिल उठा। उसी समय अकबर ने अपने दरबारी पीथल को बुलवाकर वह संधि पत्र दिखाया।

पीथल भले ही अकबर का दरबारी था किन्तु वह महाराणा प्रताप का यश गायक भी था। अकबर की उस दंभोक्ति को सुनकर पीथल ने अकबर से कहा कि यह पत्र झूठा है। यदि सच निकला तो मैं अपनी मूँछें नीची कर लूँगा और अपने हाथ से अपना सिर काटकर अपनी इष्ट देवी शक्ति अम्बा के चरणों में निछावर कर दूँगा। पीथल ने तत्काल महाराणा के प्रति पत्र लिख कर उस संधि पत्र पर आश्चर्य प्रकट करते हुए वीरोत्तेजक पत्र लिखा अपने दूत द्वारा भिजवाया।

पीथल का वह पत्र पढ़ते ही महाराणा प्रताप के भीतर वीरता का सूर्य उदय हो गया। संयोग से भामाशाह नामक जैन व्यापारी ने अपने जीवन का कमाया हुआ सारा धन राणा से प्रभावित होकर मेवाड़ की सेना और राणा को अर्पित कर दिया। इससे उत्साहित होकर महाराणा ने खोया हुआ 85% मेवाड़ फिर से जीत लिया।

वो महाराणा हमारे लिए लड़े थे, सिर्फ और सिर्फ अपने देश के लिए, ना की राजपूत के लिए, न जाट के लिए, न गुर्जर के लिए, न ब्राह्मण के लिए और ना ही अपने राज सिंहासन के लिए। जो मर कर भी अमर हो गया वो राणा हुआ महाराणा! राणा प्रताप के देहांत पर अकबर भी रो पड़ा था। देश–भक्ति, स्वतंत्रता, स्वाभिमान, सहिष्णुता, पराक्रम और शौर्य के लहराते सरोवर व प्रेरणास्त्रोत राणा प्रताप को शत–शत नमन।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के छात्र अंकित लुईस द्वारा राणा प्रताप के अभिनन्दन हेतु तैयार चित्र

मस्ती :-

संता साइकिल साथ लेकर भागा जा रहा था.. रास्ते में किसी ने कहा- संता साहब चाय तो पीते जाओ। संता- अगर इतना टाइम होता तो साइकिल पर नही बैठ जाता।

जज- सुना है पिछले दस साल से तुमने अपनी पत्नी को डरा धमका कर रखा है?संता- पर जनाब.. जज- सफाई की जरूरत नहीं, बस इतना जल्दी से बताओ कि तुमने यह करिश्मा किया कैसे?

नए-नए दुल्हा-दुल्हन बने प्रेमी जोड़े में जबरदस्त लड़ाई हुई। लड़ाई के बाद प्रेमिका भगवान से बोली- ''हे भगवान मेरी मदद करो। मैं इनकी लड़ाई से तंग आ गई हूं। अगर ये गलत हैं तो इन्हें उठा लो और अगर मैं गलत हूं तो मुझे विधवा बना दो।''

संता ने दुकान वाले से पूछा इस शीशे की मजबूती की क्या गारंटी है?दुकानदार- ये शीशा यदि आप 100 वीं मंजिल से फेकेंगे, तो ये 99 मंजिल तक भी नही टूटेगा।

भीड़ भरी बस में सफर करते समय एक खूबसूरत युवती का पांव बुजुर्ग व्यक्ति के पांव पर पड़ा। युवती बोली- सॉरी। बुजुर्ग ने उसकी ओर देखते हुए कहा- मेंशन नॉट। थोड़ी देर बाद एक युवक वहां से निकलने लगा तो उसका पांव भी उसी बुजुर्ग के पांव पर पड़ा। युवक बोला- सॉरी। बुजुर्ग- अंधा है क्या? युवक बोला- मेरे सॉरी बोलने में कुछ गलत बात थी क्या?

संता और उसकी पत्नी कॉफी शॉप में कॉफी पीने जाते है। संता (पत्नी से)- कॉफी जल्दी-जल्दी पीयो। पत्नी- क्यों? संता- क्योंकि हॉट कॉफी 5 रुपये की और कोल्ड कॉफी 10 रुपये की है।

एक दब्बू पति एक शराबी दोस्त की सलाह पर अपनी पत्नी से दहाड़कर बोला- ''सुनो, आज से घर में मेरा हुक्म चलेगा। तुम मेरे लिए चाय-नाश्ता, खाना सब कुछ तैयार करोगी, मेरे कपड़े धोकर प्रेस करोगी और आज शाम को मुझे एक पार्टी में जाना है। क्या तुम बता सकती हो कि मेरे जूते पॉलिश कौन करेगा?'' पत्नी बोली- हां! बता सकती हूं, पर पहले जरा तुम पलंग के नीचे से बाहर तो आओ।

अचूक नुस्खे

लू व गर्मी से बचने का सरल उपाय

यदि धूप में जाना या घूमना हो ते एक प्याज को जेब में रखने या गले में बांधकर रखने से लू का भय नहीं रहता है।

झुर्रियाँ मिटाए शहद

त्वचा की झुरियाँ मिटाने में शहद बहुत सहायक है। शहद की पतली-सी परत चेहरे पर लगाएँ तथा 15-20 मिनिट बाद धो लें। तैलिय त्वचा वाले शहद में कुछ बूंदे नींबू की डाल सकते हैं।

वजन कम करने में सहायक पपीता

वजन कम करने के लिए कच्चे या पके हुए पपीते का सेवन खूब करना चाहिए। पपीते के प्रयोग से शरीर में अतिरिक्त चर्बी नहीं जमतीं और वजन तेजी से घटता है।

घुटनों का दर्द

हल्दी, मेथी तथा सौंठ बराबर मात्रा में लेकर पीस लें। यह चूर्ण प्रतिदिन एक एक चम्मच की मात्रा में सुबह शाम गुनगुने पानी से लेने से घुटनों का दर्द ठीक होता है।

गेंदा ''रखे मच्छर दूर''

गेंदे के फुलों में एक विशेष प्रकार की गंध होती है, मच्छरों का दूर रखने हेतू घर में गमलों अथवा क्यारी में गेंदे के पौधे अवश्य लगाएँ।

उतम रोगप्रतिरोधक ''तुलसी''

प्रात:काल खाली पेट 5 से 10 ताजा तुलसी के पते पानी के साथ लें। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेन्ट्स होते हैं। यह प्रतिरोधक -क्षमता को बढाकर सर्दी जुकाम बुखार से लेकर कैंसर तक में लाभकारी है।

मासिक अपडेट्स :-

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अप्रैल, 2015 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
01.04.2015	सरस्वती सोसायटी, मोरबी, राजकोट (गुजरात)	115	08	43	57
06.04.2015	महिला प्रज्ञा मण्डल, उदयपुर (अध्यक्ष - स्नेहलता गुप्ता)	148	10	15	60
10.04.2015	श्री विजयराज जी खाबिया, निवासी : - चेन्नई	76	05	36	49
13.04.2015	श्री कान्ति लाल जी, निवासी : - नीमच (म.प्र.)	75	05	31	43
19.04.2015	श्री अनिल जी, सुनील जी गुप्ता, गुप्ता बिल्डर्स, पाली (राज.)	37	02	13	19
30.04.2015	श्रीमती एवं श्री शिवहर जी श्रीवास्तव, निवासी - वाराणसी (यू.पी.)	53	01	22	31

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

02.04.2015	नीता मेहता, कपपरेड़, मुम्बई	51	05	23	36

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर - 21000 रु.

श्री शंकर लाल, उदयपुर

श्रीमती सुर्या कुंवर, उदयपुर

श्रीमती कुंता देवी, दिल्ली

श्री धर्म सिंह, दिल्ली

श्री रातिलाल, मुम्बई

पोंटी चड्डा फाउण्डेशन : विशेष शिविर

पोंटी चड्डा फाउण्डेशन द्वारा विशेष रूप से 1000 से ज्यादा निःशक्त बच्चों की आँखों की जाँच व इलाज। दिनांक 10.04.2015 द्वारा नोएडा (यू.पी.) में आयोजित विशाल शिविर की झलकी।

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से ''The Ponty Chaddha Foundation'' के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
10 अप्रैल, 2015	माता भगवन्ती चड्डा निकेतन, ए–12, सेक्टर – 132, नोएडा	1230	10	388	935
25 अप्रैल, 2015	श्री गुरुनानक सभा गुरुद्वारा केतकीपाड़ा, दहीसर (ई.), मुम्बई	51	05	23	36
26 अप्रैल, 2015	गुरुद्वारा भोरा साहिब, पटेल मार्ग, शिब्बनपुरा, गाजियाबाद	342	12	152	217
30 अप्रैल, 2015	श्री गुरु नानक सतसंग, हापुड रोड़, गाजियाबाद (यू.पी.)	346	08	238	287

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

श्री नवलकिशोर गुप्ता, फरीदाबाद 15.03.2015

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
02.04.2015	श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	लोनी, गाजियाबाद	775	30	390	560
04.04.2015	धनपत लाल बोहरा (जैन)	रुण्डेडा, उदयपुर	150	3	30	106
05.04.2015	श्रीमती गीता खरे - श्री रास बिहारी खरे	बम्बोरा, उदयपुर	140	12	30	100
08.04.2015	जय श्री कृष्णा, निवासी - दिल्ली	वाना, उदयपुर	223	22	58	165
09.04.2015	श्री श्यामलाल, ईशरराम, बिस्सू, गांव-लाछडसर, चुरु	रतनगढ़, चुरू	276	11	60	212
11.04.2015	विपुल भाई पटेल, लाडुबेन राम भाई पटेल, नवसारी (गुज.)	नाथद्वारा, राजसमन्द	340	12	50	250
12.04.2015	श्री सत्यनारायण जिन्दल - श्रीमती दमयन्ती देवी, दिल्ली	उत्तम नगर, दिल्ली	290	12	132	216
12.04.2015	स्व. श्रीमती बृजरानी देवी - श्री कैलाश चन्द्र जी, नई दिल्ली	नांगलोई, दिल्ली	450	20	150	251
12.04.2015	शांतिलाल जैन, संजय, अनिल जैन	इंदरपुरी, नई दिल्ली	580	17	250	346
13.04.2015	जय श्री कृष्णा, दिल्ली	लसाड़िया, उदयपुर	436	36	172	294
16.04.2015	चेतराम सुखराम सामरिया चेरिटेबल ट्रस्ट, मणिनगर, अहमदाबाद	लसाड़िया, उदयपुर	80	5	16	43
16.04.2015	श्रीमती शमा सचदेवा - श्री रमेश सचदेवा, दिल्ली	उत्तम नगर, नई दिल्ली	334	6	154	276
17.04.2015	श्री मोहन लाल जी खटवड (चिराग ज्वेलर्स, मुम्बई)	मावली, उदयपुर	217	5	50	195
19.04.2015	श्रीमान् जय अग्रवाल, सलाबतपुरा, सूरत	आकोदडा, उदयपुर	50	6	10	40
19.04.2015	जय श्री कृष्णा, दिल्ली	नांगलोई, नई दिल्ली	815	12	167	497
24.04.2015	जय श्री कृष्णा, दिल्ली	संग्रामपुरा (खेताखेड़ा), उदयपुर	417	39	203	276
26.04.2015	श्री रामावतार जी डालमिया	ईश्वर नगर, नई दिल्ली	460	14	279	368
26.04.2015	श्री दर्शन गोयल	बहादुरगढ़	108	09	60	99
29.04.2015	श्री चन्द्र के. मोरयानी	भयन्दर (वे.), मुम्बई	210	07	30	40

श्री कांती भाई - संस्थापक, भारत वेलफेयर ट्रस्ट (यू.के.) का तारा संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन

भारत वेलफेयर ट्रस्ट (यू.के.) के संस्थापक श्री कांती भाई ने 17 अप्रैल, 2015 को तारा संस्थान, उदयपुर का दौरा किया। उन्होंने व उनकी टीम ने आनन्द वृद्धाश्रम वासियों तथा गौरी योजनान्तर्गत लाभान्वित विधवाओं से मुलाकात की। अगले दिन उन्होंने शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रम देखा।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में कम्प्यूटर लैब स्थापित

श्री परेश भाई मेहता, मुम्बई : श्री परेश भाई उद्योगपति एवं समाजसेवी हैं तथा तारा संस्थान को पूरा सहयोग करते रहते हैं। हाल में इन्होंने 'शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर' हेतु कम्प्यूटर लैब का सहयोग किया है। यह सहयोग उन्होंने अपनी स्व. माताजी श्रीमती हीरालक्ष्मी प्रतापराय मेहता की स्मृति में किया है।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

महिला प्रज्ञा मण्डल, उदयपुर (अध्यक्ष - स्नेहलता गुप्ता)

श्री प्रताप सिंह, जयपुर

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री सुशील गर्ग एवं श्री विमल किशोर, आगरा

श्री नरेश शर्मा, जयपुर (राज.)

श्री विशाल गर्ग, जयपुर (राज.)

श्री मनोज जी माताजी अरुणा पेड़ीवाल, श्रीगंगानगर

श्री पुष्कर लाल
कानपुर (यू.पी.)

श्री महावीर प्रसाद जैन
सीकर (राज.)

श्री चन्द्र प्रकाश जांगिड़
कटराथल

श्री मुन्ना लाल शर्मा
आगरा (यू.पी.)

श्री रंकावत
जोधपुर (राज.)

श्री हरी निवास गोयल
आगरा (यू.पी.)

कविता : करुणा बिना जीवन सूना

एक भी आंसू न कर बेकार,
जाने कब समंदर मांगने आ जाए।

पास प्यासे के कुआं आता नहीं है,
यह कहावत्त है अमरवाणी नहीं है।

और जिसके पास देने को कुछ नहीं है,
एक भी ऐसा प्राणी यहाँ नहीं है।

कर स्वयं हर गीत का सिंगार,
जाने देवता को कौनसा भा जाए।

चोट खाकर टूटते हैं सिर्फ दर्पण,
किंतु आकृतियाँ कभी टूटी नहीं है।

आदमी से रूठ जाता है सभी कुछ,
पर समस्याएँ कभी रुठी नहीं है।

हर छलकते आँसू को कर प्यार,
जाने आत्मा को कौन नहला जाए।

धन्यवाद :-

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. & Mrs. Gyanesh Kumar
Bharatpur

Mrs. & Mr. Narendra Prasad Saxena
Shahjahapur (UP)

Divit Jain & Tanay Jain
USA

Mr. Madan Lal & Lt. Mrs. Janak Gandhi
Rohtak

Mr. Mohan Lal & Mrs. Shobha Agrawal
Bangalore (Karnatak)

Mr. Harish Kumar & Mrs. Savitri Devi Rohilla

Mr. Kishan Murari & Mrs. Ramdwarke Bai
Kota (Raj.)

Mr. Sanvarlal & Mrs. Mrs. Parwati Modi
Bikaner (Raj.)

Mr. Suresh Chand & Mrs. Renu Jain
Jagadhari (HR)

Mr. Budhhi Vinayak Joshi & Mrs. Bhagwati Devi
Alwar (Raj.)

Mr. Devi Lal Sharma & Mrs. Gopali Devi
Kota (Raj.)

Mr. Rajesh & Mrs. Sonia Ahuja

Mr. Mahesh Chandra Sharma &
Mrs. Sangeeta Sharma

Mr. & Mrs. Mohini Prasad
Noida (UP)

Mr. Harbansh Singh & Mrs. Alka
Bhatinda

Mr. Bhanwar Lal & Mrs. Shashi Devi Parihar
Jodhpur (Raj.)

Mr. Hemant Kumar & Mrs. Rajesh Sharma
Bundi

Mr. Shyam Lal & Mrs. Kusum Lata
UP

Mr. & Mrs. Sanjeev Soni Agrawal
Muradabad

Mr. Gajendra Singh & Mrs. Prem Kunwar
Kota (Raj.)

Mr. V.P. & Mrs. Shakun Tala Shrivastava
Kanpur

Mr. Balkrishna Goyal & Mrs. Dropti Goyal

Mr. Ramesh Chandra & Mrs. Manjulata Sharma
Bikaner (Raj.)

Mr. & Mrs. Preeti Satish Gajabi
Ichalkaranji

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Siddharth Prasad Noida (UP)	Mr. Achal Jain Gohana, Haryana	Mr. Lekhraj Soni Churu (Raj.)	Shri Niranjan Lal Gupta Shahjahapur, Alwar	Mr. Krishna Swaraj Sharma	Miss Prashasti Sharma Indore (MP)	Dr. N.K. Bansal Rohtak (HR)

Mrs. Rajesh Rani Hansi Hisar (HR)	Mrs. Pushpa Gupta Rampur (UP)	Mrs. Neeta Sharma	Mr. Shivdatt Sharma	Mr. Ramswaroop Sikar (Raj.)	Mr. Rajesh Goyal Agra (UP)	Mr. Brajmohan Sharma Kota (Raj.)

Mr. Nagramal Agrawal Jaipur (Raj.)	Mr. Surendra Singh Chandra Vihar, Delhi	Lt. Mrs. Ram Kishori Soni Jodhpur (Raj.)	Mr. Harsh Patosi Kota (Raj.)	Mr. Kamlesh Devi Malhotra Faridabad (HR)	Mrs. Devendra Kumari Gupta, Rampu (UP)	Mr. Bhram Dev Singh Siddu Muradabad (UP)

Mrs. Savita Mahajan New Delhi	Mrs. Kusum Shrivastav Gorakhpur (UP)	Dr. Santosh Bansal Rohtak (HR)	Mr. Pawan Jain Chunabhatti, Mumbai	Mr. Kuber Dutt Kaushik Lucknow (UP)	Mrs. Vibha Gupta Bareilly (UP)	Mr. Nandkishore Lakhotiya Kishangarh (Raj.)

Mr. Jagdish Mohan Lucknow (UP)	Mr. Mahesh Beed, Maharashtra	Mr. Darpan Sancheti Jodhpur (Raj.)	Mrs. Sivita Agrawal Kolkata	Mr. Ravi Kumar Vaishya Saidpur (Bareilly)	Mr. Prabhat Ram Yadav Shahpura, Jaipur (Raj.)	Mrs. Sudha Consul Jaipur (Raj.)

Mr. G.L. Khubchandani Katni (MP)	Mrs. Parvati Devi Pandey Rampur (UP)	Lt. Dr. Sheela Tiwari Bilaspur (CG)	Dr. S.R. Ramangoudar	Mr. Narendra Kumar Hanumangarh (Raj.)	Mr. Madan Lal Chhabda Hanumangarh Junction	Mr. Harji Bheema Ji Geengala

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office : Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Jagdish Choubisa Cell : 07821855748, Shri Bharat Menaria Cell : 07821855755

Delhi Office: WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Shri Amit Sharma Cell : 07821855747

Surat Office : 295, Chandralok Society, Parwat Gaon, Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya Cell : 07821855751 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 07821855756

Shri Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821055717, 07821855741

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Shri Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**	**HDFC A/c No. 12731450000426**	**IFS Code : hdfc0001273**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**	**Canara Bank A/c No. 0169101056462**	**IFS Code : cnrb0000169**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**	**Central Bank of India A/c No. 3309973967**	**IFS Code : cbin0283505**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**		

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya, +91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya, Shankar Singh Rathore +91 8452835042, 022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, मई, 2015

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2015-2017, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Shastri Circle, P.O., Udaipur,
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8.40 से 9.00 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org